



Mukesh bundele

26 Apr 1985

Model: Numerology-Report

Order No: 120971701

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120971701

Date: 18/01/2026

| | |
|-----------------|---|
| नाम | Mukesh bundele |
| जन्म तिथि | 26/04/1985 |
| मूलांक | 8 |
| भाग्यांक | 8 |
| नामांक | 1 |
| मूलांक स्वामी | शनि |
| भाग्यांक स्वामी | शनि |
| नामांक स्वामी | सूर्य |
| मित्र अंक | 1, 4, 8 |
| शत्रु अंक | 3, 6 |
| सम अंक | 2, 5, 7, 9 |
| मुख्य वर्ष | 1997,2006,2015,2024,2033,2042,2051,2060 |
| शुभ आयु | 12,21,30,39,48,57,66,75 |
| शुभ वार | शनि, रवि, सोम |
| शुभ मास | जन, अप्रै, अग |
| शुभ तारीख | 8, 17, 26 |
| शुभ रत्न | नीलम |
| शुभ उपरत्न | जमुनिया,लाजवर्त |
| अनुकूल देव | भैरव |
| शुभ धातु | लौह |
| शुभ रंग | काला |
| मंत्र | ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः |
| शुभ यंत्र | राहु यंत्र |

| | | |
|----|----|----|
| 13 | 8 | 15 |
| 14 | 12 | 10 |
| 9 | 16 | 11 |

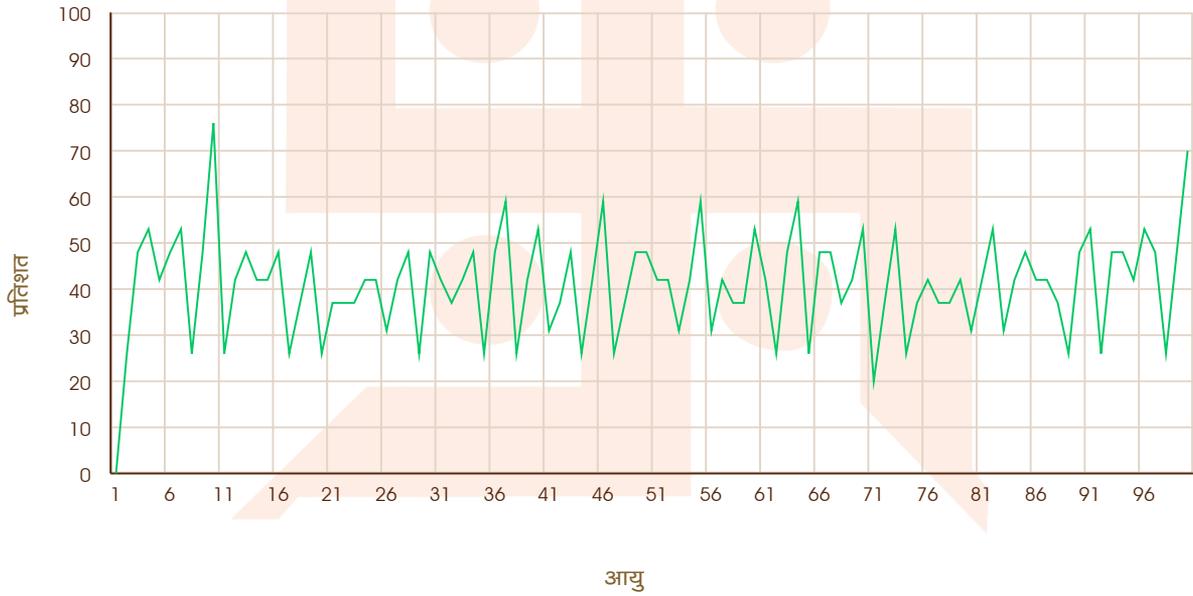
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1997,2006,2015,2024,2033,2042,2051,2060

शुभ आयु 12,21,30,39,48,57,66,75

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 26 है। दो और छः के योग से आपका मूलांक आठ होता है। मूलांक 8 का स्वामी शनि ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक छः का शुक्र है। अतः आपके जीवन में अंक दो, छः एवं आठ के स्वामी ग्रह चन्द्र, शुक्र एवं शनि का विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक 8 के स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके प्रत्येक कार्य में रुकावटें अवश्य आयेंगी। लेकिन आप इनसे बिना विचलित हुए अपनी सफलता का मार्ग स्वयं के कठिन परिश्रम तथा बुद्धि विवेक एवं ज्ञान के द्वारा प्राप्त करेंगे। आलस्य आपके अन्दर अवगुण के रूप में रहेगा। इसी कारण कई बार आप सफलता प्राप्त करते-करते ऐसी चूक कर देंगे जिसका बाद में पछतावा होगा। शनिग्रह के प्रभाव से आप अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण एवं स्थायी उपलब्धियां अर्जित करेंगे। जिससे आपका सामाजिक स्तर ऊँचा होगा और आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आपके कार्य करने का ढंग कुछ इस प्रकार का रहेगा कि आप अपने विरोधी, आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

आप दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपको रूखा, शुष्क एवं कठोर हृदय व्यक्ति समझा जायेगा। जबकि आप अन्दर से भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आपकी रुचि अपने काम तक ही सीमित रहेगी एवं कठिन से कठिन कार्य को भी आप अंजाम देने की क्षमता रखेंगे। इससे आपके सहयोगी आपके आलोचक बन जायेंगे। आप श्रमशील, त्यागी व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे एवं आपकी प्रगति में आने वाली रुकावटों को आप आपनी इच्छा शक्ति के बलबूते दूर करने में सफल रहेंगे।

अंक दो का स्वामी चन्द्र आपको विभिन्न क्षेत्रों में असफलता देगा लेकिन अंक छः का स्वामी शुक्र आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि करेगा जो कि आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगा।

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

आपका मूलांक 8 है तथा भाग्यांक भी 8 है। मूलांक एवं भाग्यांक 8 का स्वामी शनि है। मूलांक एवं भाग्यांक एक ही होने से इनके फल आपको द्विगुणित मात्रा में प्राप्त होते रहेंगे। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आपको शनि प्रधान वस्तुओं से विशेष लाभ प्राप्त होंगे। प्रारंभ में आप छोटे स्तर से अपना रोजगार शुरू करेंगे तथा अपनी मेहनत के द्वारा रुक-रुक कर तरक्की प्राप्त करते चले जाएंगे। बचपन की अपेक्षा जीवन के मध्य काल में आपकी स्थिति सुधरेगी एवं आर्थिक तथा सामाजिक लाभ प्राप्त होंगे। रोजगार के क्षेत्र में कई बार आपकी सफलताओं में समयोचित बाधाएं उत्पन्न होंगी, जिससे कभी-कभी आपकी मानसिक स्थिति विचलित होगी। आप काफी संघर्षशील एवं अपनी मेहनत के द्वारा आने वाली बाधाओं को पार करने में सफल होंगे। चल संपत्ति की अपेक्षा अचल संपत्ति का आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। अपने जीवन में पुरानी संपत्ति मिलने के योग आपको मिलेंगे। रोजगार में आपका आलस्य तथा दूसरों के द्वारा आपके विरुद्ध किये गये कृत्य आपको मिलने वाली असफलताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जीवन की अंतिम अवस्था आपकी सबसे अच्छी अवस्था कहलाएगी। उस वक्त आपके पास काफी मात्रा में स्थायी संपत्ति बन जाएगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सम्मान के साथ जीना अधिक पसंद करेंगे।

आपका भाग्योदय 26 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 35 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 44 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 8 की मित्रता 1 एवं 4 से है तथा आपके भाग्यांक की मित्रता भी 1 एवं 4 से है। अतः आपके जीवन में 1, 4, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक भाग्यांक एक ही होने से मूलांक भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, अप्रैल तथा अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 8 एवं भाग्यांक 8 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 4, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 4, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67

8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Mukesh bundele

4+6+2+5+3+5 2+6+5+4+5+3+5

नाम का योग : 55 नामांक : 1

आपके नाम का कुल योग पचपन होता है। पाँच एवं पाँच के योग से दस संख्या हुई। एक एवं शून्य के योग से आपका नामांक एक है। नामांक एक का स्वामी सूर्य है। पाँच का स्वामी बुध एवं शून्य ब्रह्म या शिव है। अतः आपके नाम को यह तीनों ही प्रभावित करेंगे। शून्य के प्रभाव से आप ब्रह्म-स्वरूप, अध्यात्मिक विद्याओं में रुचि लेने वाले तथा उच्चकोटि के ज्ञानवान व्यक्ति होंगे। शिव की भाँति विभिन्न परिस्थितियों में आप तटस्थ रहेंगे। बुध के प्रभाव से आपके अन्दर बुद्धि चातुर्य उच्चकोटि का रहेगा। बौद्धिक कार्यों में आपका विशेष झुकाव रहेगा। आपको ऐसा कार्य क्षेत्र पसंद आएगा जिसमें कम मेहनत करने पर अधिक लाभ मिलता रहे। बौद्धिक क्षेत्र में आपका नाम लोकप्रिय होगा एवं आप दूसरों से बाजी मारने में पीछे नहीं रहेंगे। नामांक स्वामी सूर्य के प्रभाव से आपका नाम प्रतिभाशाली व्यक्तियों के रूप में पहचान स्थापित करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप एक लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे तथा आपका नाम दीर्घ काल तक याद रखा जाएगा।

आपके नाम का नामांक 1 है जोकि आपके मूलांक 8 तथा भाग्यांक 8 दोनों का ही मित्र है। अतः आपका नाम मूलांक भाग्यांक के शुभ प्रभाव से समाज में काफी अच्छे स्तर का रहेगा। आप अपनी मेहनत तथा प्रयत्न से अपने नाम में काफी वृद्धि प्राप्त करेंगे। गाँव शहर से लेकर देश-विदेश में जहाँ तक भी आपका कार्य क्षेत्र रहेगा वहाँ तक आपके नाम का प्रचार-प्रसार होगा। समाज में आपका नाम आदर एवं सम्मान से लिया जाएगा तथा सामाजिक लोकप्रियता आपको अच्छी प्राप्त होगी। जीवन के प्रारम्भ में आप इतने लोकप्रिय नहीं होंगे जितने कि प्रौढ़ावस्था में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगे। आपका नाम प्रारम्भिक संघर्षों के दौर से गुजरेगा लेकिन किसी प्रकार का अपयश नहीं मिलेगा और न ही नाम में कोई गिरावट आयेगी। साधारणतः मूलांक भाग्यांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में अपने नाम को काफी ऊँचाईयाँ प्रदान करेंगे।

आपका नामांक 1 आपके मूलांक 8 एवं भाग्यांक 8 से मिलान करता है। इसलिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी कारणवश आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक लगे, तब आप ऐसे ही नाम का चुनाव करें जिसका

Ankijyotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 8 आता हो और 3 न हो तो ऐसा नामांक आपके लिए शुभ फलदायक एवं उन्नतिशील रहेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 1,4 अंक अच्छे रहेंगे तथा 6 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$

लोशु फल

| | | |
|------------|--------|--------|
| 4 4 | 9 9 | 2 2 |
| | 5 5 | 7 |
| 8 8 8 8 | 1 1 | 6 6 |

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूढ़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित हैं। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने और योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन

परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर और सगे-सम्बन्धियों से बहुत स्नेह करते हैं। आप अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को निभाना पसंद करते हैं और घरेलू जिम्मेदारियों का आनंद लेते हैं। आप में रचनात्मक क्षमता है व आप अतिशय क्रियात्मक सामर्थ्य के स्वामी हैं। आप समाज में लोकप्रिय होते हैं, गंभीर से गंभीर रहस्य को भी आप सामने वाले के मन से निकलने में चतुर होते हैं। आप पूर्णतः सांसारिक और अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होते हैं। आप परिश्रमी सुव्यवस्थित व मर्यादित रहते हैं, आप एक ही आजीविका से संतुष्ट नहीं होते, आपकी दृष्टि में व्यापार प्रधान होता है, भले ही आप नौकरी करते हों, और आप इन कार्यों में सफल भी होते हैं, आप अच्छे माँ-बाप और अंततः ऐसे व्यक्ति सिद्ध होते हैं, जिनके पास परिवार का प्रत्येक सदस्य विपत्ति के समय परामर्श लेने आता है, परन्तु आपमें असुरक्षा की तीव्र भावना भी होती है, और आप नाहक ही वैधुर्य व एकाकीपन की चिंता में लीन रहते हैं।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों

के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में आठ अंक तीन बार उपस्थित है। अतः आप बहुधा अशांत तथा आसानी से न बदलने वाले अशांत व अलचीले दृष्टिकोण के स्वामी होते हैं, 40 वर्ष की आयु के लगभग आप जीवन के उद्देश्य का निर्धारण करते हैं, और उसके पश्चात् तीव्र गति से प्रगति करते हैं, आप बुद्धि, ज्ञान, वैराग्य, कल्पना, अंतर्दृष्टि, ममर्ज्ञता, विक्षोभ और अन्य मानसिक गुणों से युक्त हैं। आप बहुत कुछ खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, लेकिन आप लोगों को समझ पाना बहुत कठिन है। कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप दार्शनिक गुणों के कारण समाज विज्ञानी एवं सामाजिक वक्ता के रूप में काफी सफल होते हैं। किसी की अधीनता स्वीकार नहीं करते विश्वास एवं निर्भरता के कारण आप अंततः महत्त्वपूर्ण पद प्राप्त करने में सफल होते हैं। आप आवश्यकता से अधिक भौतिकवादी होते हैं, अतएव आपको यह सीखने की आवश्यकता है कि भौतिक सम्पत्ति स्थायी सुख का कारक नहीं हो सकती।

अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्त्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पढ़ना शेष है।

बाहर के चार अंकों (4, 8, 6, 2) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में बाहर के चार अंक उपस्थित हैं। यह काफी अच्छी स्थिति मानी जाती है, आपमें कलात्मक एवं रचनात्मक योग्यता होती है। आप सौभाग्यशाली, सुखी, बुद्धिमान और प्रत्येक कार्य में दक्ष होते हैं, आप हमेशा ऊर्जा एवं आत्मविश्वास से ओत-प्रोत रहते हैं। योग्यता एवं कल्पनाशीलता से परिपूर्ण आप जहाँ कहीं भी जिस पेशे में होते हैं, अपना मार्ग सफलता पूर्वक स्वयं बना लेते हैं। आप अच्छी तरह से संगठित, आत्म अनुशासित, और कड़ी मेहनत करने वाले होते हैं। आपके सानिध्य में आपके सहकर्मी अथवा सम्बन्धी बड़ा ही सहज एवं आत्मीय महसूस करते हैं। आप कठिन परिश्रम करने में सक्षम होते हैं, अपनी योग्यता, ज्ञान, एवं सृजनात्मक क्षमता के कारण सामान्यतः उच्च पदों पर आसीन शि

क्षक, दार्शनिक, धर्मज्ञ, वैज्ञानिक, मंत्री, लेखक आदि होते हैं। आप बड़े प्रोजेक्ट का संचालन सफलता पूर्वक करने की योग्यता रखते हैं। आप अपना काम किसी भी क्षेत्र में गंभीरता के साथ करते हैं, और उसे अंजाम तक पहुँचाने वाले होते हैं। लगातार संघर्ष के द्वारा आपका आंतरिक ज्ञान जागृत होता है, बाहर के चार अंकों में 4 अंक राहु का, 8 अंक शनि का, 6 अंक शुक्र का तथा 2 अंक चन्द्रमा का प्रतिनिधित्व करता है। इन चारों अंकों के उपस्थित होने से कई शुभ योग बनते हैं, जो आपको जीवन में अच्छी सफलता दिलाने का काम करते हैं।

बुद्धि के अंक - 4. 9 व 2

आपके लोशु चार्ट में 4. 9 व 2 अंकों की उपस्थिति है। इन अंकों की उपस्थिति से इस अंक की सृष्टि होती है, अतः आप बौद्धिक सामर्थ्य व उत्तम स्मरण शक्ति वाले व्यक्ति हैं, इस अंक के प्रभाव से आप स्पष्ट, न्यायसंगत व विश्लेषण में निपुण हैं, लेकिन कभी-कभी अपने आपको दूसरों से उत्कृष्ट समझते हैं, अधिकांश अपनी ही धुन में मग्न रहते हैं। आपको अपनी प्राचीन परंपराओं से ज्यादा लगाव नहीं होता है न आप धर्म पर आँख मूँद कर यकीन करते हैं। आप अपनी मंजिल खुद पाने और अपना रास्ता खुद बनाने में यकीन रखते हैं। आप कुछ मामलों में हठी स्वभाव के हो सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए आप एक विश्वासपात्र मित्र के रूप में सामने आते हैं। आप दिखावे और चापलूसी में यकीन नहीं करते हैं।

समृद्धि के अंक - 8. 1 व 6

आपके लोशु चार्ट में 8. 1 व 6 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी कार्यों में उत्तमता का प्रदर्शन करते हैं। आप जीवन के उच्चतर गुणों में प्रायः कोई रुचि नहीं रखते, केवल मात्र धन कमाने में ही रुचि रखते हैं। आप मिलनसार, खूब सोच-विचार कर कार्य करने वाले व संवेदनशील होते हैं, आप अच्छी मात्रा में भौतिक सफलता तो प्राप्त करते हैं, लेकिन ऐसा आप प्रायः दूसरों की संवेदनाओं व आवश्यकताओं की उपेक्षा करके करते हैं। आप किसी भी स्थिति में अपनी स्वतंत्रता से समझौता नहीं कर सकते हैं। आपके पास प्रगतिशील और हर स्थिति में जीत हासिल करने वाला दिमाग और रवैया है। आप बहुमुखी प्रतिभा के स्वामी हैं और किसी भी सवाल का जवाब बड़े ही धैर्य के साथ ढूँढ़ने में यकीन रखते हैं। आप जानते हैं कि अपने आस-पास के लोगों को कैसे प्रेरित किया जाए। यह प्रतिभा एवं सम्पन्नता का सूचक है। आपको कानूनी तथा लोक कार्यों अथवा विक्रय कार्यों में अच्छी सफलता मिलती है, आपको दूसरों को समझने की शक्ति में कमी होती है। आपको अपनी कमजोरियों से उठकर तथा कठोरता का त्याग करके परिस्थिति के अनुकूल खुद को परिवर्तित करने की कला विकसित करना आवश्यक है।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप

ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निःसंशय लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

भावनात्मक संतुलन के अंक - 4. 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4. 5 व 6 अंकों की उपस्थिति है, अतः आप करुणाशील व चौकस प्रवृत्ति के होते हैं। आप प्रायः ऐसी आजीविका अपनाते हैं, जिसमें आप दूसरों की सहायता कर सकें, आप संवेदनशील होते हैं और प्रायः अंतर्ज्ञानि भी, आप दूसरों की आवश्यकता को समझने की दैवी-शक्ति के स्वामी हैं। अपनी किशोरावस्था में आप शर्मिले प्रतीत होते हैं, बाल्यकाल में भी शांत, भद्र व मृदुता से व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने प्रभावी स्वभाव और अच्छे संचार कौशल की वजह से किसी भी स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं। आप किसी भी उत्पन्न होने वाली स्थिति को अपने सुनने की क्षमता से दूर कर सकते हैं। आप किसी भी स्थिति में संतुलित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रहते हुए गहराई से सोचने के बाद ही फैसला लेते हैं। और जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। यह परम योग है, अदभुत योग है, ऐसे योग में व्यक्ति रंक से राजा बन जाता है। आप भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएँ सफलता अवश्य मिलती है।

दृढ़ निश्चय के अंक - 2. 5 व 8

आपके लोशु चार्ट में 2. 5 व 8 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप धैर्यशील, अध्यवसायी व दृढ़ संकल्प वाले हैं, आप सम्मानित, अप्रतिम, सुसज्जित एवं प्रभावशाली व्यक्ति हैं। आपको अपने क्षेत्र में नेतृत्व के अवसर प्राप्त होते हैं। आप उचित समय की ताक में रहते हैं, और निणर्यात्मक तरीके से सक्रिय होते हैं, आप स्वतंत्र प्रिय होते हैं। लक्ष्य को कभी भी नजरअंदाज नहीं करते, आपकी इच्छाशक्ति (पससचवूमत) ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति आपके मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है। संकल्प-शक्ति को दृढ़ बनाकर आप अपनी सोच के अनुसार चीजों को पा लेते हैं। दृढ़निश्चय और बौद्धिक संतुलन आपकी दो अमोघ शक्तियाँ हैं जिनके बल पर विकट-से-विकट परिस्थिति का भी आप आसानी से सामना कर जाते हैं।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक

प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, ज़िद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और

अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालाँकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालाँकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालाँकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालाँकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य दिनांक 23 दिसंबर से 19 फरवरी तक, पाश्चात्य मत से सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में रहता है तथा 14 जनवरी से 13 मार्च तक, भारतीय मत से, सूर्य मकर एवं कुंभ राशि में होता है जो शनि की अपनी राशियां है तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक सूर्य तुला राशि में रहता है, जो शनि की उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक आठ के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहेंगे।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह में पड़ने वाले शनिवार, रविवार एवं सोमवार आपके लिए अनुकूल दिवस हैं। आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, विशिष्ट अधिकारी से संबंध आदि अपनी शुभ तारीखों में पड़ने वाले उपर्युक्त दिवसों में ही प्रारंभ करेंगे तो आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार सम्बंधी कार्य, पत्र या दस्तावेज लिखने हेतु किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। अतः आप कोशिश करें कि कोई भी महत्वपूर्ण कार्य उपर्युक्त तारीखों में ही संपन्न हो।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 3, 6, 12, 15, 21, 24 एवं 30, आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, व्यापार, पत्र लेखन एवं उच्च तथा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 14 जनवरी से 13 मार्च तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच हुआ हो, ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे। इनके सहयोग से आपको अच्छी उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आप अपने रोजगार, व्यवसाय या प्रेम, विवाह संबंध इत्यादि में ऐसी स्त्री का चुनाव करें, जिसका मूलांक 1, 4, 8 हो तथा उसका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीख को हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके रोजगार, व्यवसाय तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, ककरेजी रंग शुभ होंगे। अपने घर के दरवाजे, पर्दे, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप करें। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक न हो तब आप इन्हीं रंगों के कपड़े पहनें एवं रुमाल हर समय अपने पास रखें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य करते समय भी इन्हीं रंगों के वस्त्रों को धारण करना आपके लिए विशेष फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आप अपने लिए कॉम्प्लेक्स, फ्लैट या मकान का चुनाव पश्चिम दिशा में करें। आपका मूलांक 8 होने से आपके लिए पश्चिम दिशा उपयुक्त रहेगी तथा भवन क्रमांक का योग 8 हो तो अच्छा रहेगा। अतः आप इस दिशा में फ्लैट या मकान खरीद सकते हैं। आप चाहें तो शहर में पश्चिम दिशा, या भवन के पश्चिम क्षेत्र में निवास करें ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा तथा अपने आवश्यक कार्य भी इसी दिशा की ओर बैठ कर संपन्न करेंगे तो लाभ होगा।

शुभ वाहन नं

आपके मूलांक 8 के 1 और 4 मित्र हैं। अतः आप जब भी कोई नया वाहन इत्यादि खरीदते हैं तो उसके पंजीकरण का योग इन्हीं अंकों में से एक होना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उदाहरणार्थ वाहन पंजीकरण क्रमांक $5237 = 8$ । आप यदि वाहन में यात्रा करते हैं तब भी आपके लिए शुभ अंक 1,4,8 ही रहेंगे और यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करवाते हैं तब उसके लिए आपका कमरा नंबर $107 = 8$ का चयन करना ही उचित रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको वायु रोग, वात रोग, शारीरिक क्षीणता, अंध रोग, हृदय की कमजोरी, रक्त की कमी, मलबद्धता, कब्जियत, गठिया, रक्तचाप, सिर की पीड़ा, कुष्ठ रोग, मूत्र के रोग, गंजापन तथा कान-नाक में पीड़ा होगी। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शनि की पूजा एवं आराधना करनी चाहिए।

व्यवसाय

कसरत, खेल-कूद, कूद-फांद, पुलिस और सैन्य विभाग, ठेकेदारी, टीन-चद्दर आदि का कार्य, कुलीगिरी, लघु उद्योग, वकालत, ज्योतिष कार्य, वैज्ञानिक कार्य, मुर्गी पालन, बागबानी, कोयला और लकड़ी का व्यवसाय, घड़ीसाज, न्याय वेत्ता, नेतृत्व, नीति निर्धारक, धर्म-कर्म, यज्ञादि कर्ता, अध्यापन, संगीतज्ञ आदि कार्य।

व्रतोपवास

शनिवार को शनि अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए नीलम सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। इसके न मिलने पर आप बैकॉक नीलम, लाजवर्त, काला नीली इत्यादि धारण कर सकते हैं। इसे आप शनि के दिन, शुक्ल पक्ष में, चौघड़िया मुहूर्त में, त्रिधातु या चांदी की अंगूठी में सवा तीन से सवा पांच रत्ती का नीलम बनवा कर दाहिने हाथ की मध्यमा उंगली की त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें। यह आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

अनुकूल देवता

आप शनि ग्रह की उपासना करें अथवा आपको बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा। आप नित्य रुद्राक्ष की माला पर बटुक भैरव के मंत्र का एक सौ आठ बार जप किया करें। इससे आपकी सभी समस्याएं, रोग इत्यादि दूर होंगे। बटुक भैरव का मंत्र इस प्रकार है- 'ह्रीं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरु-कुरु बटुकाय ह्रीं'। यह इक्कीस अक्षर का मंत्र सर्वसिद्धिदाता है। कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन बटुक भैरव की उपासना करना विशेष लाभप्रद रहेगा।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शनि के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु शनि के गायत्री मंत्र का, प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शनि गायत्री मंत्र - ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युरूपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शनि का ध्यान करें, मन में शनि की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तडसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शनि को अनुकूल बनाने हेतु शनि के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान दो सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः दबर्चिन्प्रप नमः ॥ जप संख्या 23000 ॥

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी विच्छु की जड़ ला कर, काले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या शीशे या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आप प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शनि के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शनि की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शनि के पदार्थ-तिल, उड़द, भैंस, लोहा, तेल, काला वस्त्र, नीलम, कुलथी, काली गौ, काले पुष्प, जूता, कस्तूरी, सुवर्ण आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शनि को अनुकूल बनाए रखने हेतु शनि यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चन्दन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।